उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता पर प्रभाव का अध्ययन

डॉ. श्वेता अग्रवाल*

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन के मुख्य उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातवारण व शिक्षक प्रभावशीलता में तुलनात्मक अध्ययन करना था। साथ ही इन विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना था। इस अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि को अपनाते हुए प्रतिदर्श के रूप में 38 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को यादृच्छिक न्यादर्श चयन की लॉटरी विधि से और बालक (220 शिक्षक व 880 विद्यार्थी) एवम् बालिका (216 शिक्षक व 864 विद्यार्थी) विद्यालयों के शिक्षकों व विद्यार्थियों को क्रमशः आकस्मिक चयन विधि एवम् उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श चयन विधि से चयन किया गया। प्रदत्तों के संकलन हेतु सन्ज्योत पैथे, सुशमा चौधरी एवम् उपिंदर धर द्वारा निर्मित ऑर्गनाइज़ेशनल क्लाईमेट स्केल तथा प्रमोद कुमार एवम् डी.एन. मुथा द्वारा निर्मित टीचर इफैक्टिवनैस स्केल का प्रयोग किया गया। प्रदत्तों के विश्लेशण हेतु वर्णनात्मक सांख्यिकीय प्रविधियों में मध्यमान एवम् मानक विचलन तथा निर्वचनात्मक सांख्यिकीय प्रविधियों में क्रान्तिक अनुपात का प्रयोग किया गया। प्रदत्तों के विश्लेशणोपरान्त उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण में सार्थक अन्तर पाया गया, जबकि शिक्षक प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। साथ ही संगठनात्मक वातावरण के आधार पर दोनों ही प्रकार के विद्यालयों के उच्च संगठनात्मक वातावरण वाले विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता मध्यम एवम् निम्न संगठनात्मक वातावरण वाले विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से सार्थक रूप में उच्च पाई गई।

प्रस्तावना

संसार के सभी मनुष्य शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक आदि दृष्टियों में हमेशा समान नहीं होते हैं उनकी इस असमानता के कारणों में वातावरण एक मुख्य कारण है। यह वातावरण बच्चों को सर्वप्रथम परिवार तत्पश्चात् विद्यालय में प्राप्त होता है। विद्यालयों के वातावरण का निर्माण प्रधानाचार्य, शिक्षक, विद्यार्थियों एवम् अन्य कर्मचारियों के परस्पर अन्तःक्रिया से होता है जिसे वहाँ का संगठनात्मक वातावरण कहा जाता है। प्रस्तुत शोध में विद्यालय के संगठनात्मक वातावरण में विद्यालयों की परिणाम, पुरस्कार व्यवस्था, अन्तःव्यक्ति सम्बन्ध; संगठनात्मक प्रक्रिया; कार्य की शुद्धता, सूचनाओं का आदान प्रदान एवम् परोपकारी व्यवहार को सम्मिलित किया गया है। विद्यालय के संगठनात्मक वातावरण की परिणाम व पुरस्कार व्यवस्था से शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को अपने कार्यों में सुधार करने व उन्हें उच्च स्तरीय बनाने हेतु प्रोत्साहन भी मिलता है। साथ ही यदि विद्यालय के सदस्यों के मध्य अन्तःव्यक्ति सम्बन्ध अच्छे होते हैं तो प्रत्येक सदस्य अपने जीवन के निर्धारित लक्ष्यों को निश्चय ही पा सकते हैं। व्यवस्थित संगठनात्मक प्रक्रिया एवम् कार्य की शुद्धता विद्यालयों के सदस्यों को उनकी भूमिकाओं से स्पष्ट रूप से अवगत कराती है जिससे उनके मध्य सौहाद्रपूर्ण सम्बन्ध बनते हैं। विद्यालय में सूचनाओं का आदान–प्रदान खुलेपन से होने व सदस्य स्वतन्त्रता का अनुभव करने के कारण विद्यालय के प्रत्येक कार्य को अत्यधिक प्रसन्नता के साथ सम्पन्न करते हैं। जब विद्यालय के सदस्य विद्यालयी कार्यों में एक दूसरे की मदद करते हैं तब वह कार्य करने में सुख व आनन्द की अनुभूति करते हैं जो उन्हें उन्नति के शिखर पर पहुँचाने में अत्यधिक सहायक होती है यथा विद्यालय का संगठनात्मक वातावरण शिक्षकों को सक्रिय व प्रभावशाली बनाता है। वहीं दूसरी ओर उचित संगठनात्मक वातावरण शिक्षकों एवम् विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभाओं के उपयुक्त प्रदर्शन हेतु अवसर भी प्रदान करता है। विद्यालय का उच्च संगठनात्मक वातावरण ही सदस्यों में उच्च सद्भावना, उचित मनोबल एवम् घनिष्ठता को विकसित करने में सहायता प्रदान करता है। साथ ही विद्यालयों का उच्च संगठनात्मक वातावरण उदासीनता, एकाकीपन तथा बाधाओं को दूर करने का महत्वपूर्ण कार्य भी करता है जिससे विद्यालय के सदस्यों एवम् वातावरण के बीच उचित सामंजस्य बना रहता है।

*पूर्व सहायक प्रोफेसर, दाऊ दयाल महिला पी.जी. कॉलेज, फिरोज़ाबाद (उत्तर प्रदेश)।

विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के निर्माण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक विद्यालयी वातावरण में अनेक प्रकार की गतिविधियाँ एवम् क्रियाकलाप करते हैं। इन सब गतिविधियों तथा क्रियाकलापों को सम्मिलित रूप में शिक्षण–अधिगम व्यवहार के द्वारा सम्बोधित किया जा सकता है। शिक्षक के सामान्य तथा कक्षागत क्रियाकलाप शिक्षक व्यवहार की ओर संकेत करते हैं और अमुक शिक्षक के सन्दर्भ में इन क्रियाकलापों का विद्यालयों के प्रत्येक सदस्य पर अलग–अलग प्रभाव पड़ता है जो उस शिक्षक की शिक्षक प्रभावशीलता को निर्मित करती है अर्थात शिक्षक की क्रियाकलापों के प्रति अन्य व्यक्तियों द्वारा प्रतिक्रियायें प्रदर्शित की जाती हैं इन प्रतिक्रियाओं के आधार पर शिक्षक की प्रभावशीलता दर्शाती होती है। शिक्षक की प्रभावशीलता में उसकी शिक्षा तथा सामान्य व तात्कालीन ज्ञान, प्रेरित करने की योग्यता, शिक्षण कौशल, व्यवसाय से सम्बन्धित ज्ञान, पाठ्य सहगामी क्रियाओं का ज्ञान, कक्षा–कक्ष प्रबन्ध की योग्यता, समाज एवम् विद्यालयों के अन्य सदस्यों के साथ आपसी मेल मिलाप का स्वभाव, संवेगात्मक रूप से स्थिरता, सलाह एवम् निर्देशन की योग्यता, नैतिक रूप से कुशल तथा प्रभावशाली व्यक्तित्व को समाहित किया जाता है। इन सब क्रियाओं के प्रति विद्यालय के प्राचार्य, साथी समूह, स्वयं शिक्षक तथा विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं को अमुक शिक्षक की प्रभावशीलता के रूप में प्रेक्षित किया जाता है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएं

1. उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं होता है।
2. उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में सार्थक अन्तर नहीं होता है।
3. उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में सार्थक अन्तर नहीं होता है।
4. उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में सार्थक अन्तर नहीं होता है।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

न्यादर्श का चयन

प्रस्तुत शोध के निमित्त न्यादर्श चयन हेतु शोधार्थी द्वारा सम्भाव्य न्यादर्श प्रविधियों (Probability sampling methods) को अपनाते हुए आगरा नगर के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिशद, इलाहाबाद द्वारा संचालित 38 उच्चतर माध्यमिक (19 बालक एवम् 19 बालिका) विद्यालयों के चयन हेतु यादृच्छिक न्यादर्श चयन की लॉटरी विधि (Lottery method of Random Sampling) को अपनाया गया। साथ ही प्रत्येक विद्यालय में शिक्षकों व विद्यार्थियों के चयन हेतु क्रमशः आकस्मिक चयन विधि (Incidental Sampling method) एवम् उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श चयन विधि (Purposive Sampling method) के द्वारा बालक विद्यालयों के 220 शिक्षकों व 880 विद्यार्थियों तथा गैर–अनुदानित विद्यालयों के 216 शिक्षकों व 864 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

उपकरण

शोध के सन्दर्भ में सम्बन्धित प्रदत्तों के संकलन हेतु सन्ज्योत पैथे, सुषमा चौधरी एवम् उपिंदर धर द्वारा निर्मित ऑर्गनाइज़ेशनल क्लाईमेट स्केल (Organisational Climate Scale) तथा प्रमोद कुमार एवम् डी.एन. मुथा द्वारा निर्मित टीचर इफैक्टिवनैस स्केल (Teacher Effectiveness Scale) का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रस्तुत अध्ययन के सन्दर्भ में प्रदत्तों के विश्लेशण हेतु वर्णनात्मक सांख्यिकीय प्रविधियों में मध्यमान एवम्

मानक विचलन तथा निर्वचनात्मक सांख्यिकीय प्रविधियों में क्रान्तिक अनुपात का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवम् विवेचन

उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन

उपरोक्त उद्देश्य हेतु प्रदत्त एकत्रिकरण के पश्चात् उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के मध्यमान, मानक विचलन व क्रान्तिक अनुपात ज्ञात किए गए। जिन्हें तालिका संख्या–1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या – 1 उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के मध्यमान, मानक विचलन एवम् क्रान्तिक अनुपात

क्र. सं.	संगठनात्मक वातावरण के आयाम	बालक विद्यालय		बालिका विद्यालय		क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
		म. n=25	मा.वि.	म. n=25	मा.वि.		
1.	परिणाम, पुरस्कार व्यवस्था, अन्तःव्यक्ति सम्बन्ध	31.42	9.90	35.70	7.02	5.5019	<0.01
2	संगठनात्मक प्रक्रिया	27.17	10.99	34.13	[illegible]	[illegible]	<0.01
3.	कार्यों की स्पष्टता व सूचनाओं का आदान–प्रदान	13.64	5.09	14.94	5.45	2.3568	<0.05
4.	परोपकारी व्यवहार	3.67	1.01	3.71	1.05	0.2144	>0.05
5.	कुल संगठनात्मक वातावरण	75.41	24.12	88.47	18.11	6.3717	<0.01

तालिका 1 के अवलोकन से विदित होता है कि उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के कुल संगठनात्मक वातावरण एवम् इसके विविध परिणाम, पुरस्कार व्यवस्था, अन्तःव्यक्ति सम्बन्ध तथा संगठनात्मक प्रक्रिया आयामों में सांख्यिकीय रूप से 0.01 सार्थकता स्तर पर तथा कार्यों की स्पश्टता व सूचनाओं का आदान–प्रदान आयाम के सन्दर्भ में 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक अन्तर होता है। सम्भवतः बालक विद्यालयों में अधिकांशतः पुरुश शिक्षक ही कार्यरत होते हैं वह शिक्षण के अलावा अपने जीवनयापन के लिए अन्य कार्यों में भी लगे होते हैं जिसके कारण वह शिक्षण कार्य को कुछ कम महत्व देते हैं परिणामतः विद्यालयों के वातावरण को उच्च बनाने में अपना बहुत कम योगदान प्रदान करते हैं। साथ ही जिससे इन विद्यालयों के शिक्षकों के मध्य उपयुक्त अन्तःसम्बन्ध भी कम होते हैं, जबकि बालिका विद्यालयों में अपेक्षाकृत शिक्षकों को अधिक महत्व दिया जाता है। इन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एक–दूसरे को महत्व देने के साथ उनकी मेहनत व श्रेश्ठता को पुरस्कृत एवम् निश्पादित कार्यों की सराहना, लोगों का समय–समय पर मूल्यांकन कर परिणामों से उनको अवगत करते हैं जिससे की सभी शिक्षकों का सतत् रूप में विकास हो सके। परिणामतः लोगों के मध्य सुखद सौहाद्रपूर्ण सम्बन्ध होने के साथ–साथ वह एक दूसरे को प्रोत्साहित भी करते हैं। इन विद्यालयों में विचारों के खुले आदान प्रदान होने से शिक्षक व विद्यार्थी स्वतन्त्र व आनन्ददायी अनुभव करते हैं। साथ ही बालिका विद्यालयों में उच्च योग्यता वाली महिलायें शिक्षण कार्य को अपने लिए उपयुक्त मानकर अधिक आकर्शित होती हैं परिणामतः नियुक्त भी हो जाती हैं, जिससे वह एक दूसरे की योग्यता में विश्वास रखती हैं एवम् उन्हें एक दूसरे से सीखने के अवसर भी मिलते हैं जिसके फलस्वरुप उनके व्यक्तिगत विकास को भी प्रोत्साहन मिलता है। तालिका के पुनः अवलोकन से विदित होता है कि उ०मा० बालक एवम् बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के परोपकारी व्यवहार में 0.05 स्तर पर भी सार्थक अन्तर नहीं होता है।

उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन

उपरोक्त उद्देश्य हेतु सर्वप्रथम प्रदत्त एकत्रित किए तत्पश्चात् उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के मध्यमान, मानक विचलन व क्रान्तिक अनुपात ज्ञात किए गए। जिन्हें तालिका संख्या–2 में प्रस्तुत किया गया है–

क्र. सं.	प्रभावशीलता क्षेत्र	प्रभावशीलता के घटक	बालक विद्यालय		बालिका विद्यालय		क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
			म. n=[illegible]	मा.वि.	म. n=[illegible]	मा.वि.		
1	शैक्षिक क्षेत्र (Academic area)	[illegible]	2.72	3.55	13.05	[illegible]	2.2232	<0.05
		[illegible]	13.32	3.41	13.51	3.21	1.0676	>0.05
		शिक्षण कौशल (Teaching skills)	21.93	6.53	24.05	6.41	9.3216	<0.01
		कुल शैक्षिक क्षेत्र (Total Academic area)	47.95	10.35	50.55	[illegible]	8.3118	<0.01
2	व्यावसायिक क्षेत्र (Professional area)	पाठ्य सहगामी क्रियाएं (Co-Curricular activities)	10.28	2.22	8.70	[illegible]	5.1575	<0.01
		व्यावसायिक व्यवहार (Professional Behaviour)	9.14	[illegible]	19.31	[illegible]	0.5356	>0.05
		कक्षा प्रबन्धन (Classroom management)	13.90	2.61	11.32	2.75	[illegible]	<0.01
		कुल व्यावसायिक क्षेत्र (Total Professional area)	43.22	6.21	43.35	[illegible]	[illegible]	>0.05
3	सामाजिक क्षेत्र (Social area)		47.60	[illegible]	38.21	6.25	[illegible]	<0.05
4	भावनात्मक क्षेत्र (Emotional area)		25.17	[illegible]	26.15	[illegible]	[illegible]	<0.01
5	नैतिक क्षेत्र (Moral area)		37.14	5.61	30.54	6.29	7.1026	<0.01
6	व्यक्तिगत क्षेत्र (Personal area)		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	2.1042	<0.01
7	कुल शिक्षक प्रभावशीलता (Total Teacher effectiveness)		237.20	[illegible]	235.34	29.62	1.7306	>0.05

तालिका सख्ंया–2 उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के मध्यमान, मानक विचलन एवम् क्रान्तिक अनुपात

तालिका – 2 के विश्लेशण से स्पष्ट होता है कि उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की कुल शिक्षक प्रभावशीलता व इसके विविध शैक्षिक क्षेत्र के प्रेरणादाता उपक्षेत्र, कुल व्यावसायिक क्षेत्र एवम् इसके व्यावसायिक ज्ञान उपक्षेत्र में सांख्यिकीय रूप से 0.05 सार्थकता स्तर पर भी सार्थक अन्तर नहीं होता है, जबकि शैक्षिक क्षेत्र के सूचना स्रोत उपक्षेत्र, सामाजिक एवम् व्यक्तित्व क्षेत्र के सन्दर्भ में उ॰मा॰ बालक व बालिका विद्यालयों में 0.05 स्तर पर तथा कुल शैक्षिक क्षेत्र एवम् इसके शिक्षण कौशल उपक्षेत्र; व्यावसायिक क्षेत्र के पाठ्य सहगामी क्रियायें व कक्षा–कक्ष प्रबन्ध उपक्षेत्र; संवेगात्मक एवम् नैतिक क्षेत्र के सन्दर्भ में 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक अन्तर होता है। साथ ही यह भी स्पश्ट होता है कि कुल शैक्षिक क्षेत्र एवम् इसके सूचना स्रोत व शिक्षण कौशल उपक्षेत्र; व्यावसायिक क्षेत्र के कक्षा–कक्ष प्रबन्ध उपक्षेत्र; सामाजिक तथा नैतिक क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य में बालिका विद्यालयों के शिक्षक बालक विद्यालयों के शिक्षकों की अपेक्षा उच्च प्रभावशीलता प्रेक्षित करते हैं, जबकि बालक विद्यालयों के शिक्षक बालिका विद्यालयों की तुलना में व्यावसायिक क्षेत्र के पाठ्य सहगामी क्रियायें उपक्षेत्र; संवेगात्मक एवम् व्यक्तित्व क्षेत्र के सन्दर्भ में उच्च प्रभावी होते हैं। अतः स्पश्ट होता है कि सम्मिलित रूप में उच्चतर माध्यमिक बालक एवम् बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में लगभग समानता होती है क्योंकि इन विद्यालयों में लगभग समान योग्यता वाले शिक्षक शिक्षण कार्य में रत होते हैं।

उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन

उपरोक्त उद्देश्य हेतु सर्वप्रथम प्रदत्त एकत्रित किए गए तत्पश्चात् उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के स्तरों के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के मध्यमान, मानक विचलन व क्रान्तिक अनुपात ज्ञात किए गए। जिन्हें तालिका – 3 में प्रस्तुत किया गया है –

तालिका–3 उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के स्तरों के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के मध्यमान, मानक विचलन एवम् क्रान्तिक अनुपात

क्र. सं.	संगठनात्मक वातावरण के स्तर	शिक्षक प्रभावशीलता न.	मध्यमान	मा.वि.	df	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
1.	उच्च	6	260.77	13.56	[illegible]	0.5290	>0.05
	मध्यम	88	256.97	17.36			
2.	मध्यम	88	256.97	17.36	214	0.3747	>0.05
	निम्न	128	256.27	9.44			
3.	उच्च	6	260.77	13.56	132	1.1188	<0.05
	निम्न	128	256.27	9.44			

तालिका संख्या 3 के अवलोकन से विदित होता है कि उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों के उच्च एवम् मध्यम तथा मध्यम एवम् निम्न स्तर के संगठनात्मक वातावरण के विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में 0.05 सार्थकता स्तर पर भी सार्थक अन्तर नहीं होता है, जबकि उच्च एवम् निम्न स्तर के संगठनात्मक वातावरण के विद्यालयों में शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर होता है। सम्भवतः कहा जा सकता है कि उच्च संगठनात्मक वातावरण वाले उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों के शिक्षकों की प्रभावशीलता का स्तर वहाँ की परिणाम, पुरस्कार व्यवस्था, अन्तःव्यक्ति सम्बन्ध; संगठनात्मक प्रक्रिया; कार्यों की स्पश्टता व सूचनाओं का आदान–प्रदान तथा परोपकारी व्यवहार के उच्च होने के कारण सकारात्मक रूप से प्रभावित होता है, जबकि निम्न संगठनात्मक वातावरण स्तर वाले उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों की उक्त स्थितियाँ भी निम्न स्तर की होने के कारण शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता भी अपेक्षाकृत निम्न होती है। परिणामतः कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों का संगठनात्मक वातावरण उच्च होने पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता अत्यधिक उच्च तथा निम्न होने पर शिक्षक प्रभावशीलता अत्यधिक निम्न होती है जबकि मध्यम संगठनात्मक वातावरण वाले विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता लगभग मध्यम होती है जिसके कारण उच्च व निम्न संगठनात्मक वातावरण वाले विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में अधिक अन्तर होने के कारण इनके मध्य सार्थक अन्तर प्रेक्षित होता है।

उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन

उपरोक्त उद्देश्य हेतु सर्वप्रथम प्रदत्त एकत्रित किए गए तत्पश्चात् उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के स्तर के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के मध्यमान, मानक विचलन व क्रान्तिक अनुपात ज्ञात किए गए। जिन्हें तालिका – 4 में प्रस्तुत किया गया है–

तालिका–4 उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के स्तरों के आधार पर शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के मध्यमान, मानक विचलन एवम् क्रान्तिक अनुपात

क्र. सं.	संगठनात्मक वातावरण के स्तर	शिक्षक प्रभावशीलता सं.	मध्यमान	मा.वि.	df	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
1.	उच्च	5	272.70	17.77	121	2.4574	<0.05
	मध्यम	117	256.54	14.11			
2.	मध्यम	117	256.54	14.11	210	1.8297	>0.05
	निम्न	95	253.23	11.49			
3.	उच्च	5	272.70	17.77	98	3.5925	<0.01
	निम्न	95	253.23	11.49			

तालिका 4 के अवलोकन से विदित होता है कि उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालयों के उच्च एवम् मध्यम स्तर के संगठनात्मक वातावरण के विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक अन्तर होता है, जबकि उच्च एवम् निम्न स्तर के संगठनात्मक वातावरण में शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के मध्य 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक अन्तर होता है। सम्भवतः कहा जा सकता है कि उच्च संगठनात्मक वातावरण के उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की प्रभावशीलता अपेक्षाकृत अत्यधिक उच्च होती है जिसके कारण इन विद्यालयों के शिक्षकों की प्रभावशीलता तथा मध्यम एवम् निम्न स्तर के संगठनात्मक वातावरण वाले विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में सार्थक अन्तर होता है। परन्तु मध्यम व निम्न स्तर के संगठनात्मक वातावरण के विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में 0.05 स्तर पर भी सार्थक अन्तर नहीं होता है।

निष्कर्षों के आधार पर दिए गए सुझाव

प्रस्तुत शोध अध्ययन के परिणाम इंगित करते हैं कि –

1. उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण में अधिक सुधार की आवश्यकता है।
2. निम्न स्तर के संगठनात्मक वातावरण वाले उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में सुधार की आवश्यकता है।
3. मध्यम एवम् निम्न स्तर के संगठनात्मक वातावरण वाले उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में सुधार की आवश्यकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Aklog, Fenot Berhan. (2005). Teacher Job Satisfaction and Dissatisfaction: An empirical study of urban teachers in Ethiopia, Dissertation abstract International, 66(5), p 1565 A.

Bala, Rajni. (2006). Education Research, New Delhi: Alfa Publications.

Best, J.W. and James V.Kahn. (2006). Research in Education, ninth edition, Published by Dorling Kindersley (India) Pvt. Ltd., Licensees of Pearson Education in south Asia.

बुच, एम. बी. (सम्पादित) (1983–89), सिक्स्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन (वॉल्यूम 1 व 2), नई दिल्ली : एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰।

Fenton-Leshore, Karen S. (2005). A Correlation analysis among Organisational Citizenship Behaviour, Teacher Job Satisfaction and Organizational Commitment in Low Performing New york city public high schools, Dissertation Abstract International, 65(12), p 89.

Frothingham, Elizabeth Mason. (1989). Teacher Collegiality: its relationship to Professionalism and Organizational Climate in public and private schools, Dissertation abstract International, 46(9), p 2466 A.

Garrett, H.E. (1985). Statistics in Psychology and Education, Bombay: Vakils, feefer and simons Ltd.

Keefer, Paul Andrew. (2008). Job Satisfaction in union and non union public schools and its effect on Academic Achievement, Dissertation Abstract International, 69(2), p 453A.

Lombard, Chreyl Ruth. (1986). A study of the correlation between Job Satisfaction and values for public and non private school teachers currently teaching in south florida schools, Dissertation abstract International, 46(7), p 1796 A.

Mehrotra, Anju. (2003). A comparative study of Leadership styles of Principals in relation to Job Satisfaction of teachers and Organisational Climate in government and private senior secondary school of Delhi, Delhi: Jamia Millia Islamia, A central university.

Natarajan, R. (2002). A study on school Organizational Climate and Job Satisfaction of teachers, D. Raja Ganesan (Ed.), Experiments in Education, Chennai: Thiru P.C. Vaidyanathan, xxx (1), p 10-15.

Panda, B.N. & A.D. Tewari. (1997). Teacher Education, New Delhi: A.P.H. publishing corporation.

Panda, Upendra nath. (1988). School Management, New Delhi: Ashish publishing house, p60-68.

Pandey, Ruchi. (2003). A study of Job Stress among secondary school teachers in context of Organizational Climate, S.S. Srivastava (Ed.), Bhartiya Shiksha Shodhptrika, Lucknow: Indian Institute of Educational Research, 22(1), p 41-47.

Rao, Digumarti Bhaskara & Damera Sridhar. (1998). Teacher Education in India, New Delhi: Discovery publishing house.

Reynolds, Cynthia Ann. (2007). Perceptions of Organizational Climate and Job Satisfaction among full-time and part-time community college faculty, Dissertation Abstract International, 68(1), p 41 A.

शर्मा, आर. ए. (2002). शिक्षा प्रबन्ध, मेरठ : आर. लाल बुक डिपो।

शर्मा, बी. एल. एवम् बी. के. माहेश्वरी. (2001). विद्यालय प्रबन्ध, मेरठ : आर. लाल बुक डिपो।

Sofinanos, Theodore J. (2005). The relationship between Organisational Climate and Job Satisfaction as reported by community college executive secretaries and / or associates to the president, Dissertation Abstract International, 66(5), p 1673 A.

Varshney, Purnima. (2003). A study of Organisational Climate of the high schools of Varanasi city, S.S. Srivastava (Ed.), Bhartiya Shiksha Shodhptrika, Lucknow: Indian Institute of Educational Research, 22(2).